11 न्याय प्रक्रिया में साक्ष्यों की भूमिका महत्वपूर्ण

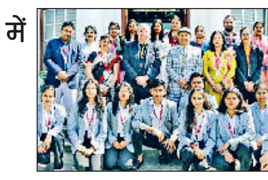

12 नियमों को ताक पर रखकर दुकान के बाहर बनाया चबूतरा

डीसी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, निर्धारित सीमा में खड़े छह वाहन इंपाउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को पूरी तरह से नकल रहित संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय है। डीसी प्रदीप दहिया ने डावला, हसनपुर, सिलाना गांव और झज्जर शहर के परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सिलाना गांव के परीक्षा केंद्र की 200 मीटर की सीमा में खड़े छह वाहनों को इम्पाउंड करने के निर्देश दिए।

उन्होंने परीक्षाओं की ड्यूटी कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति नकल करने, कराने या इसमें मदद करने की कोशिश करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का विशेष रूप से दौरा किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और पुलिस बल को निर्देश दिए कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, जिससे किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि न हो। इस दौरान डीसीपी लोगेश कुमार पी भी मौजूद रहे।

झज्जर। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए डीसी प्रदीप दहिया व निरीक्षण करती एसडीएम बेरी रेणुका नांदल व एसीपी अनिल कुमार।

फ्लाइंग स्क्वायड की टीमें पूरी तरह सक्रिय

डीसी ने बताया कि जिले में नकल मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौ फ्लाइंग स्क्वायड की टीमें पूरी सक्रियता से कार्य कर रही हैं। इनमें चार टीमें एसडीएम, एक डीईओ और चार टीमें हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन टीमों को परीक्षा के दौरान नियमित निरीक्षण करने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम व एसीपी ने बेरी व दूबलधन गांवों के परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

बेरी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के नकल रहित संचालन को लेकर एसडीएम रेणुका नांदल व एसीपी बेरी अनिल कुमार ने सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी व दूबलधन और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी में चल रही परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम रेणुका नांदल ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नकल रहित परीक्षा संचालन के लिए जीरो टॉलरेंस पर काम करें। अगर कहीं भी गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो स्टाफ स्वयं जिम्मेवार होगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर कोई भी अवांछित गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। वहीं एसीपी अनिल कुमार ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों को सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति अनाधिकृत रूप से परीक्षा केंद्र में घुसने का प्रयास करे तो उसे तुरंत राउंडअप करें। साथ ही आस-पास के क्षेत्र में झुंड बनाकर खड़े होने वाले लोगों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करें।

बादली में भी नकल पर कसा शिकंजा

बहादुरगढ़। बादली उपमंडल में नकल रहित परीक्षाएं आयोजित करवाने के उद्देश्य से एसडीएम सतीश यादव ने क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं पूरी तरह से नकल रहित संपन्न करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है। नकल करने या कराने में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र का दौरा करते एसडीएम सतीश यादव।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते एसडीएम नसीब कुमार। फोटो: हरिभूमि

एसडीएम ने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का किया दौरा

बहादुरगढ़। एसडीएम नसीब कुमार ने सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों के संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों को परीक्षा के दौरान कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। एसीपी राजेंद्र भी इस दौरान एसडीएम के साथ रहे व परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसडीएम नसीब कुमान ने परीक्षा केंद्रों के प्रवेश और निकास द्वारों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने फ्लाइंग स्क्वायड टीमों को लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

बिजली उपभोक्ता फोरम की बैठक आज

झज्जर। जिला मुख्यालय स्थित बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता पर्वतन परिमंडल कार्यालय में मंगलवार को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम की बैठक उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम के चेयरमैन की अध्यक्षता में होगी। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक होगी। बैठक में बिजली उपभोक्ताओं की विभिन्न बिजली व बिलों से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी। यदि कोई उपभोक्ता अपने परिवाद को लेकर कार्यकारी अभियंता या एसडीओ की कार्यवाही से संतुष्ट न हो तो वह चेयरमैन, अधीक्षण अभियंता के समक्ष अपनी बात रख सकता है। उन्होंने बताया कि फोरम में उपभोक्ता की बिजली से जुड़ी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है।

ट्यूबवेल की मोटर खोल ले गए चोर

झज्जर। क्षेत्र के गांव महराणा के एक खेत से ट्यूबवेल की मोटर चोरी होने की शिकायत एक किसान द्वारा पुलिस को दी गई है। शिकायत में किसान बिजेंद्र सिंह ने बताया कि जब वह बीती एक मार्च की शाम खेत में कार्य करने गया तो वहां ट्यूबवेल व मोटर सही सलामत थे, लेकिन अगले दिन जब खेत पर पहुंचा तो वहां से ट्यूबवैल की मोटर चोरी हो चुकी थी। पीड़ित किसान द्वारा चोरी हुई मोटर की अनुमानित कीमत पन्द्रह हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेक्टर-16 स्थित कंपनी के बाहर से वाहन चोरी

बहादुरगढ़। सेक्टर-16 में स्थित एक कंपनी के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। सैनिक नगर के निवासी राहुल का कहना है कि वह सेक्टर-16 में स्थित एक कंपनी में काम करता है। गत एक मार्च को ड्यूटी पर गया था। बाइक कंपनी के बाहर खड़ी की थी। शाम को छुट्टी के बाद कंपनी से निकला तो बाहर बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फाल्गुन निशान यात्रा दस मार्च को

बहादुरगढ़। आगामी दस मार्च को बहादुरगढ़ में रंग रंगीली फाल्गुन निशान यात्रा निकाली जाएगी। सोमवार की सुबह लड़कियों के सरकारी स्कूल के पास स्थित प्राचीन परशुराम मंदिर से यह यात्रा शुरू हो गई। विभिन्न मार्गों से होते हुए नजफगढ़ रोड स्थित बालाजी मंदिर पर पहुंचेगी। इसके बाद वहां मंदिर में एकादशी संकीर्तन का आयोजन होगा। गायकों द्वारा मधुर भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा।

बहादुरगढ़। खैरपुर में स्थित आरोपी सचिन का मकान। फोटो: हरिभूमि

हत्या से पहले का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, पुलिस कर रही जांच

महराणा गांव में युवक की गोली मारकर हत्या, नहर के पास खेतों में मिला शव

- डीसीपी लोगेश ने किया मौका मुआयना जल्द गिरफ्तारी की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव महराणा में एक युवक की गोलीमार कर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया। युवक का शव सोमवार सुबह गांव से गुजर रही छारा माइनर के नजदीक खेतों में पड़ा मिला। ग्रामीणों और परिनजों को पता चलने पर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और आनन-फानन में सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। एफएसएल टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाएं। बाद में डीसीपी लोगेश कुमार पी ने भी मौके का मुआयना किया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की बात कही।

मृतक की पहचान करीब 24 वर्षीय मोहित पुत्र संदीप के तौर पर की गई है। बाद में पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम करवाने के लिए शव को नागरिक अस्पताल भिजवाया। जहां पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वारदात से पूर्व का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसके कारण पुलिस विभिन्न पहलूओं को देखते हुए मामले की जांच कर रही है।

जानकारी अनुसार मोहित शादीशुदा था और एक वर्ष पूर्व ही उसकी शादी हुई थी। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और उसकी एक छोटी बहन भी है। एसीपी अनिल कुमार ने बताया कि रविवार को शिकायत प्राप्त हुई थी कि मोहित निवासी गांव महराणा सायं तक अपने घर पर नहीं पहुंचा है। जिसके तहत पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज की थी। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली कि छारा माइनर के नजदीक खेतों में मोहित का शव मिला है। शव पर दो गोलियां लगने के निशान है। मृतक के चाचा बीरेंद्र की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नागरिक अस्पताल परिसर में चिकित्सकीय बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसकी जांच भी पुलिस कर रही है।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के दौरान उपस्थित परिजन और ग्रामीण व नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्यवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए शव को लेकर आते हुए परिजन और ग्रामीण, वारदात के बाद मौके पर एकत्रित ग्रामीण और डीसीपी लोगेश कुमार पी तथा (इनसेट में) मृतक मोहित का फाईल फोटो। फोटो: हरिभूमि

सचिन के परिजन स्तब्ध खैरपुर गांव में सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रोहतक के चर्चित हिमानी नरवाल हत्याकांड से बहादुरगढ़ के गांव खैरपुर के तार जुड़े हैं। हत्या के आरोप में पकड़ा गया युवक इसी गांव का रहने वाला है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद से उसका परिवार स्तब्ध है, वहीं खैरपुर सहित आसपास लगते गांवों में भी यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

आरोपी करीब 32 वर्षीय सचिन अपने परिवार का इकलौता पुत्र है। इसकी एक छोटी बहन भी है, जिसकी शादी हो चुकी है। बताते हैं कि सचिन ने दस साल पहले प्रेम विवाह किया था। वह दो बच्चों का पिता है। फिलहाल उसकी पत्नी बच्चों को लेकर मायके गई है। सचिन की गांव कानोंदा में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है।

सचिन का परिवार साधारण है। सोमवार को सचिन के घर पर केवल उसके माता, पिता व मामा ही थे। घर व आसपास सन्नाटा पसरा हुआ था। वारदात में सचिन का नाम आने के बाद उसके माता, पिता स्तब्ध हैं। वे ज्यादा कुछ बोलने से बच रहे हैं, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि उन्हें इस बारे में कुछ मालूम नहीं। आज उन्हें गिरफ्तारी की खबर पता लगी।

दरअसल, एक ही मकान में सचिन व उसके माता, पिता अलग रहते हैं। उधर, गांव के लोग भी दंग हैं। खैरपुर सहित आसपास लगते तमाम गांवों में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। इंटरनेट मीडिया के जरिये सचिन की हिमानी के साथ दोस्ती हुई थी। पुलिस की मानें तो सचिन रोहतक में हिमानी के घर जाता था। वहां किसी बात पर झगड़े के बाद हिमानी की हत्या कर दी गई। बता दें कि गत एक मार्च को सांपला बस स्टैंड के पास सूटकेस में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी का शव पाया गया था। बहरहाल, रोहतक पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है। पूछताद के बाद हत्या की असल वजह का खुलासा हो सकेगा।

कंबल में लिपटा मिला महिला का शव, हत्या!

बहादुरगढ़। रोहतक में सूटकेस में युवती का शव मिलने का मामला सुलझा ही था कि अब बहादुरगढ़ में एक महिला का शव कंबल में लिपटा हुआ मिला है। महिला के शरीर पर चोट के निशान हैं। हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सदर थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

मामला मेहंदीपुर डाबोदा गांव में केएमपी फ्लाईओवर के पास का है। देर रात को यहां संतर में पड़े कंबल पर किसी की नजर गई। शंका हुई तो कंबल खोला गया, उसमें महिला की लाश थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। फोरेंसिक टीम को भी साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया। मृतका की उम्र करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। शरीर पर चोट के निशान मिलने की बात सामने आई है। हत्या की आशंका जताई जा रही है। महिला कौन है, किसने और किन कारणों से किस तरह से इसको मारा ये फिलहाल सवाल बना हुआ है। हालांकि मौत की असल वजह पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस की टीमें छानबीन में जुटी हैं। आसपास गांव में पूछताछ के दौर जारी है। शव को अस्पताल में रखवा दिया गया है।

हॉट मिक्स प्लांटों पर कार्रवाई की मांग

बहादुरगढ़। गांव सिद्धीपुर और गुभाना में चल रहे हॉट मिक्स प्लांटों को लेकर ग्रामीण ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी से मिले। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले प्लांटों पर कार्रवाई करवाने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार हॉट मिक्स प्लांटों से निकलने वाले धुंए से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ रहा है। किसानों की फसल भी खराब हो रही है। जसबीर सैनी ने ग्रामीणों से कहा कि वे इस मामले को सीएम के समक्ष उठाकर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे।

बहादुरगढ़। ग्रामीण इलाकों में चल रहे हॉट मिक्स प्लांट।

पैदल चलते-चलते गिरे युवक की मौत

बहादुरगढ़। ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने घर जा रहा एक युवक पैदल चलते-चलते अचानक गिर गया। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हृदयाघात से युवक की मौत की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान करीब 22 वर्षीय शिशुपाल के रूप में हुई है। बिहार मूल का शिशुपाल पिछले कुछ समय से यहां पटेल नगर में रह रहा था। गांव कसार में स्थित एक कंपनी में काम करता था। रविवार को वह कंपनी से अपने घर लौट रहा था। उसके साथ उसके साथी भी थे। वे सभी पैदल चल रहे थे। जब ओमेक्स के निकट पहुंचे तो शिशुपाल अचानक चलते चलते गिर गया। साथियों ने उसको संभाला तो वह बेसुध था। इसके बाद उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी। परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करा दिया।

बहादुरगढ़। गुलाब सिंह, नीरज छिल्लर व अशोक कुमार आदि धावक।

24 घंटे की स्टेडियम रन में सेकेंड रहे गुलाब सिंह

- 3 घंटे की स्टेडियम रन में नीरज छिल्लर रहा प्रथम, 12 घंटे की स्टेडियम रन में द्वितीय रही पूनम

बहादुरगढ़। बीआरजी (बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप) के धावकों ने पंचकुला में हुई टफमैन 24 घंटे स्टेडियम रन, 108 रन ग्रेटर नोएडा और वूमन रन नोएडा में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन दोहराया। पंचकुला में गुलाब सिंह ने 24 घंटे में 185 किलोमीटर दौड़कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पंचकुला में हुई 24 घंटे की टफमैन स्टेडियम रन में देशभर के अल्ट्रारनर्स ने भाग लिया। बीआरजी के 5 धावक भी मैदान में उतरे। नीरज छिल्लर ने 3 घंटे में पहला स्थान प्राप्त करते हुए 34 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। पूनम ने 12 घंटे के दौरान 75.8 किलोमीटर दौड़कर द्वितीय स्थान हासिल किया। अशोक कुमार ने 12 घंटे में 101 किलोमीटर दौड़कर छठा स्थान पाया। गुरदीप ने 24 घंटे में 144 किलोमीटर दौड़ पूरी की। ग्रेटर नोएडा में आयोजित 108 रन में भी बीआरजी के 25 से अधिक धावकों ने भाग लेते हुए दमदार प्रदर्शन किया। राजेंद्र पाल ने 50 प्लस आयु वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ में पहला स्थान और शमशेर सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। राजीव कुमार ने 35 प्लस आयु वर्ग 5 किलोमीटर में पहला स्थान हासिल किया। नोएडा में हुई वूमन 10 किलोमीटर दौड़ में सन्नी खोखर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। राजेश रघुवंशी ने 50 प्लस आयु वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। वीरेंद्र सिंह और कौशल शर्मा ने अपनी रेस सफलतापूर्वक पूरी की। प्रवीण सांगवान ने बेंगलुरु में होने वाली 24 घंटे की स्टेडियम रन की तैयारी में अंबेडकर स्टेडियम में 6 घंटे की रनिंग पूरी की। क्रू मैंबर सुनील बेनीवाल के साथ कर्नल कृष्ण बधवार ने उत्साह बढ़ाया।

शहर के बाजारों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया

अतिक्रमण करने वालों को लगाई फटकार, चालान काटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसीपी ट्रैफिक दिनेश कुमार की अगुवाई में सोमवार को शहर के बाजारों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमण फैला रहे दुकानदारों और बेतरतीब पार्किंग करने वाले वाहन मालिकों को कड़ी फटकार लगाई गई। कई दुकानदारों के चालान भी काटे गए।

दरअसल, बहादुरगढ़ के बाजारों में अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग की समस्या गंभीर है। सड़कों, बाजारों में दुकानदार काफी बाहर तक सामान रख देते हैं। रही सही कसर रेहड़ियां तथा आड़े-तिरछे वाहन खड़े करने से पूरी हो जाती है। इस कारण बाजारों की चौड़ाई सिकुड़ जाती है और जाम की समस्या गहरा जाती है। इतना ही नहीं, कई बार तो पैदल राहगीरों को भी राह नहीं मिलता। दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। पुलिस व नगर परिषद की टीमें कार्रवाई करने जाती हैं। टीम के लौटने के बाद फिर से वही हालात बन जाते हैं।

अब एसीपी ट्रैफिक पुलिस दिनेश कुमार ने इस मामले में कार्रवाई तेज की है। सोमवार को झज्जर रोड, कबाड़ी मार्केट, मेन बाजार, रेलवे रोड और नाहरा, नाहरी रोड पर यह अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमण फैला रहे दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाई गई। कई दुकानों का सामान जब्त किया गया और चालान काटे गए। वहीं पुलिस द्वारा बेतरतीब वाहनों और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती बरती। टीम में एसीपी दिनेश कुमार, ट्रैफिक एसएचओ विकास कुमार, नगर परिषद से एसआई सुनील हुड्डा आदि शामिल थे। कार्रवाई के दौरान बाजार खुले खुले नजर आए। आम नागरिकों ने ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रखने की मांग की है। वहीं, एसीपी दिनेश कुमार ने कहा कि दुकानदार व्यवस्था बनाने में सहयोग करें। अपनी दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करें। आगे भी सख्ती के साथ यह कार्रवाई जारी रहेगी।

बहादुरगढ़। सड़क पर रखा सामान उठाकर ले जाते नप के कर्मचारी व दुकानदारों को चेतावनी देते एसीपी दिनेश कुमार। फोटो: हरिभूमि

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं ? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

सलाह

संध्या सिंह

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलांए सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

खबर संक्षेप

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल

बावल। गांव रूध में एक तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पिता-पुत्र सड़क पर गिर गए। टक्कर में युवक को काफी चोटें आई। गांव भानोत जिला खैरथल राजस्थान निवासी राजबीर ने बावल थाना पुलिस को बताया कि 1 मार्च को वह अपने बेटे विक्रम के साथ अपनी बहन के घर कालड़ावास गया था। वापस आते समय जब वे रुध गांव के चौक पर पहुंचे तो सामने से आ रही एक गाड़ी ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे राजबीर दूर जा गिरा और विक्रम सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद गाड़ी चालक मौके से भाग गया।

ब्रेजा की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवक घायल

धारूहेड़ा। दिल्ली रोड स्थित मसानी के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी पर सवार दो युवक घायल हो गए। गांव मसानी निवासी सुनील कुमार ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि 26 फरवरी शाम को उसका दोस्त मनीष कुमार गां मसानी व कुलदीप गांव जीतपुरा उसकी दुकान से घर का सामान लेकर गये थे। जब वे मसानी ओर यू-टर्न ले रहे थे तो एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। आवाज सुनते ही वह दुकान से भागा तो दोनो घायल हो गए थे। उसने दोनों का ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। प

अचानक ब्रेक लेने से बस से गिरा युवक घायल

रेवाड़ी। धारूहेड़ा से रेवाड़ी मार्ग पर बस से गिरने के कारण युवक घायल हो गया। खलियावास मोहल्ला धारूहेड़ा निवासी संजय ने मॉडल टाउन थाना पुलिस को बताया कि 1 मार्च को उसका भाई राजीव किसी काम काम से बस में रेवाड़ी जा रहा था। दोपहर को करीब 1:20 बजे उसके भाई के मोबाइल से उसके पास कॉल आई, जिस पर गांव औलांत निवासी बलवान ने बताया कि राजीव का एक्सीडेंट हो गया और उसके सिर में चोट है। सूचना मिलने पर वह ट्रामा सेंटर में पहुंचा जहां से राजीव को हायर सेटर के लिए रेफर कर दिया गया। बलवान ने बताया कि वह बस में कंडक्टर है। ड्राइवर तेज रफ्तार से बस चला रहा था।

बीएमजी मॉल के पास से बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। सरकुलर रोड स्थित बीएमजी मॉल के पास की गली से व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। मोहल्ला कायस्थवाड़ा निवासी सतीश कुमार ने जगन गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 फरवरी को वह बीएमजी मॉल में शॉपिंग करने आया था तथा बाइक वाली गली में खडी करके मॉल के अंदर चला गया। कुछ देर बाद वह वापस आया तो वहां से बाइक गायब थी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

देसी कट्टे व पांच जिंदा रोंद के साथ एक गिरफ्तार

बावल। बावल थाना पुलिस ने गांव मंगलेश्वर से एक युवक को देसी कट्टे व जिंदा रोंद के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव मंगलेश्वर निवासी गौरव के पास अवैध देसी कट्टे व जिंदा रौंद है।

संस्कारम विवि में हुआ क्राइम सीन टू कोर्ट विषय पर व्याख्यान का आयोजन

न्याय प्रक्रिया में साक्ष्यों की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रोफेसर रॉबर्ट

■ आज के दौर में अपराधी नई-नई तकनीकों का सहारा ले रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। व्याख्यान उपरांत मुख्य वक्ता व संस्थान स्टाफ के साथ मौजूद विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम विश्वविद्यालय में क्राइम सीन टू कोर्ट विषय पर एक दिवसीय जनजागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ कैंट के प्रोफेसर रॉबर्ट ग्रीन मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। अपराध विज्ञान और फॉरेंसिक अनुसंधान क्षेत्र में जागरुक करने के उद्देश्य से आयोजित इस व्याख्यान में विद्यार्थियों को अपराध स्थल से न्यायालय तक की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रोफेसर रॉबर्ट ग्रीन ने बताया कि अपराध स्थल से न्यायालय तक किस प्रकार वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन, विश्लेषण और प्रस्तुति न्यायिक प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने फॉरेंसिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे डीएनए विश्लेषण, फिंगरप्रिंट पहचान, डिजिटल फॉरेंसिक्स और क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन की बारीकियों को भी समझाया। उन्होंने बताया कि आज के दौर में अपराधी नई-नई तकनीकों का सहारा ले रहे हैं। इसलिए अपराध विज्ञान में भी नवीनतम तकनीकों का प्रयोग आवश्यक हो गया है। डीएनए प्रोफाइलिंग, साइबर फॉरेंसिक्स और डिजिटल क्राइम इन्वेस्टिगेशन अब न्याय प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर हल किए गए मामलों के उदाहरण प्रस्तुत किए, जिससे विद्यार्थियों को अपराध अनुसंधान की वास्तविकता को समझने में सहायता मिली। संस्कारम विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि वर्तमान समय में फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर क्राइम और डिजिटल फॉरेंसिक्स जैसे क्षेत्रों में करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। अपराधों की बढ़ती संख्या और तकनीकी रूप से उन्नत अपराधियों के कारण फॉरेंसिक एक्सपर्ट, क्राइम इन्वेस्टिगेटर और साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है।

एमडीयू के गणित विभाग की टीम ने किया नेहरू कॉलेज का दौरा

झज्जर। नेहरू कॉलेज का दौरा करते हुए एमडीयू की गणित विभाग की टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ प्राचार्य दलबीर सिंह ने टीम का स्वागत किया

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में गणित ऑनर्स द्वितीय वर्ष की संबद्धता के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम ने निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय की निरीक्षण टीम में प्रोफेसर सविता राठी, डॉक्टर जगबीर सिंह और डॉक्टर एकता नरवाल शामिल रहे। प्राचार्य दलबीर सिंह ने टीम का स्वागत किया। गणित विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप कुमार ने गणित विभाग में उपलब्ध आधारभूत ढांचे, विभिन्न सुविधाओं, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय एवं अन्य संसाधनों की जानकारी दी। निरीक्षण टीम ने गणित विभाग, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब का दौरा किया तथा सभी संसाधनों की बारीकी से जांच की और सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रोफेसर पुष्पेंद्र कादियान, प्राध्यापक शमशेर, डॉक्टर जय भगवान, डॉक्टर नरेंद्र, सुरेंद्र सिंह, चिंकी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए किया प्रेरित

■ बाल विवाह के कारण हर साल बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं और गर्भ में ही बच्चों की मौत हो जाती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आशा वर्करों को संबोधित करते हुए मनोज कुमार। फोटो :हरिभूमि

सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीघल में संरक्षण एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग तथा एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा आशा कार्यकर्ताओं के लिए बाल विवाह निषेध अधिनियम को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था के जिला समन्वयक मनोज कुमार ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम के अंतर्गत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह अवैध और दंडनीय अपराध है। इस कानून के अंतर्गत हर उस व्यक्ति को सजा का प्रावधान है जो ऐसे बाल विवाह में किसी भी रूप में शामिल हो। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉक्टर नरेश कुमार ने आशा वर्करों से कहा कि बाल विवाह के कारण हर साल बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं और गर्भ में ही बच्चों की मौत हो जाती है। इसलिए बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में आशा वर्करों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इस मौके पर आशा वर्कर राखी व बहु उद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता भूप सिंह ने भी बाल विवाह की रोकथाम के लिए सभी आशा वर्करों को सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया।

वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। सोमवार को द्रोणाचार्य हेरिटेज स्कूल जहाजगढ़ में वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली के भाई माईराम बड़ोली ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। वार्षिक महोत्सव में स्कूल के विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छोटे बच्चों ने अपनी मनमोहक ड्रेस से दर्शकों का मन मोहा। स्कूल की प्रेसिडेंट उषा सुहाग और इंद्रजीत सुहाग ने विद्यार्थियों को सकारात्मकता के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को भी विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ सांझा किया।

बावल थाना पुलिस ने 5.17 ग्राम स्मैक सहित तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान के तहत जिला पुलिस एसपी डा. मयंक गुप्ता के निर्देश पर नशा तस्करों की धर पकड़ कर रही है। बावल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार की टीम ने 5.17 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव मंगलेश्वर निवासी अंकित, नरेंद्र व नितेश के रूप में हुई है। पुलिस को गत 2-3 मार्च की रात्रि को सूचना मिली कि अंकित निवासी गांव मंगलेश्वर नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का काम कर रहा है तथा गांव के मेन रोड पर स्मैक बेचने के लिए खड़ा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी को काबू कर लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से 5.17 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पुलिस पूछताछ में आरोपी अंकित ने बताया की उसने अपने गांव के तीन साथी नरेंद्र, नितेश व गौरव को पैसे देकर स्मैक बेचने के लिए लगाया हुआ है। पुलिस ने नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बावल थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों से बरामद मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करके आरोपी नरेंद्र व नितेश न्यायिक हिरासत में भेज दिया है तथा आरोपी अंकित को पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

■ आरोपियों से बरामद मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही

झज्जर। कार्यशाला के दौरान मौजूद शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

अनुसंधान पद्धति की दी जानकारी

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्ट्डीज इन टीचर एजुकेशन में कार्यवाही अनुसंधान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल और प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को कार्यवाही अनुसंधान की पद्धतियों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की गहन समझ प्रदान करना रहा। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर प्रगट सिंह जठोल ने प्रारंभिक परीक्षा से कार्यशाला की शुरूआत की। इसके उपरांत सह संयोजक पवन ने अपेक्षा पोस्ट-स्टिक गतिविधियों द्वारा प्रतिभागियों की अपेक्षाओं को समझाया। डॉक्टर संतोष और सारिका ने कार्यवाही अनुसंधान का परिचय विषय पर पहला सत्र लिया। इसके बाद एक मंथन सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को चिंतनशील होने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा कार्यवाही अनुसंधान की प्रक्रिया पर एक व्यावहारिक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों को इसे प्रयोगात्मक रूप से समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित किया गया। जिस पर उन्होंने विभिन्न पहलुओं का अन्वेषण किया और अपने निष्कर्षों को समूह प्रस्तुति के माध्यम से सांझा किया।

बाबा प्रसादगिरी मंदिर में तीन दिवसीय 52वां विराट संत सम्मेलन 14 से

झज्जर। नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में आगामी 14 मार्च से 52वें तीन दिवसीय विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। महंत परमानंद गिरी महाराज ने बताया कि इस वार्षिकोत्सव के पहले दिन चौदह मार्च को जहां बाबा की समाधि पर श्रद्धालुओं द्वारा पंखे चढ़ाए जाएंगे वहीं अगले दिन पन्द्रह मार्च को कांशी के आचार्य वेदपाठी पंडित रामनिवास पाठक व पंडित नरेंद्र कुमार द्वारा हवन कार्य संपन्न कराया जाएगा। तीसरे दिन सत्रह मार्च को विशाल समष्टि भंडारे के साथ वार्षिकोत्सव का समापन होगा। वार्षिकोत्सव के दौरान पन्द्रह मार्च को जहां रात आठ बजे से ग्यारह बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाएगा वहीं सोलह मार्च की दोपहर दो बजे से सायं पांच बजे तक रात्रि आठ बजे से ग्यारह बजे तक कार्यक्रम में शामिल होने वाले संत-महात्माओं द्वारा प्रवचनों द्वारा ज्ञान दिया जाएगा। महंत परमानंद गिरी ने बताया कि मृत्यंजय गिरी महाराज व कमेटी सदस्यों द्वारा सात मार्च से जन जागरण कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित अलसुबह पांच बजे श्रद्धालुओं के साथ प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। गीतानंद गिरी महाराज डमरू वाले व पंडित श्रवण कुमार नैष्ठिक ब्रह्मचारी भी मौजूद रहेंगे।

महंत परमानंद गिरी महाराज।

बैठक पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को अधिकतम बच्चों तक पहुंचाने पर चर्चा की गई

सटीक शैक्षणिक आंकड़े प्रभावशाली नीति निर्धारण में सहायक : मलिक

■ मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के जरिए ही शिक्षा की नींव मजबूत होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित शिक्षकों व विभागीय टीम को संबोधित करते हुए डीईईओ वीरेंद्र मलिक। फोटो :हरिभूमि

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के तहत निपुण भारत मिशन को सुदृढ़ बनाने के लिए जिला परियोजना क्रियान्वयन यूनिट की मासिक बैठक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र मलिक ने की। जिला समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने बैठक की शुरुआत में मेंटर्स तथा अधिकारियों द्वारा की गई विजिट संबंधी आंकड़ों को साझा किया। जिले के ऐसे विद्यालयों की सूची भी दिखाई गई। जहां पिछले दो महीने से कोई भी विजिट नहीं की गई। बैठक में प्राथमिक कक्षाओं में छात्रों की दक्षता बढ़ाने के लिए रेमेडियल कार्य पर विशेष ध्यान देने, वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी, दक्षताओं पर फोकस करने, शिक्षक संदर्शिका और कार्य पुस्तिका के प्रभावी उपयोग, विजिट रजिस्टर में विस्तृत रिपोर्ट भरने तथा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को अधिकतम बच्चों तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अगले सत्र में विद्यार्थियों के नामांकन को बढ़ाने के लिए सभी विद्यालयों को पुरजोर प्रयास करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के जरिए ही शिक्षा की नींव मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि जिले के दो खंड बहादुरगढ़ तथा मातनहेल के तीस विद्यालयों का चयन एक विशेष ड्राइव चलाने के लिए किया गया है। जिसका विवरण इन खंडों के मेंटर्स को दिया गया। खंड मातनहेल की एफएलएन समन्वयक चेतना जठोल द्वारा अपने खंड की बेस्ट प्रैक्टिस भी एक पीपीटी के माध्यम से सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र मलिक ने सभी हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी टीमों ने विद्यालयों में की गई विजिट के बिल्कुल सटीक और निष्पक्ष आंकड़े दर्ज किए हैं और इसी के आधार पर ही जमीनी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो पाएगी। उन्होंने निपुण कक्षाओं में उनके द्वारा की गई विजिट के अनुभव साझा किए।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान बने राजेश

झज्जर। चुनाव उपरांत मौजूद नव गठित कार्यकारिणी सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को बेरी में ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ द्वारा ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। भारतीय मजदूर संघ के तत्वावधान में कार्यरत ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की गठित नई ब्लॉक कार्यकारिणी में राजेश कुमार छोछी को प्रधान तथा संदीप पलड़ा व विजय कुमार को उपप्रधान चुना गया। इसके अलावा अजय कुमार को महासचिव, कर्ण सिंह को सचिव, सतबीर को कोषाध्यक्ष बनाया गया। बीएमएस के जिला महासचिव प्रदीप छोछी ने बताया कि यह कमेटी आगामी तीन वर्ष के लिए काम करेगी।

खबर संक्षेप

जसौरखेड़ी में 9 को होगी कबड्डी प्रतियोगिता

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी गांव के मांडु ऋषि स्टेडियम में रविवार 9 मार्च को जिलास्तरीय कबड्डी चैम्पियनशिप सर्कल स्टाईल महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित होनी है। एमोच्योर कबड्डी एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त कबड्डी विकास समिति झज्जर द्वारा सब जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्ग में यह प्रतियोगिता होगी। इसमें राज्यस्तरीय प्रतियोगता के लिए जिलास्तरीय टीम का चयन होगा।

सीटीएम ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

झज्जर। सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित शिविर में नागरिकों की विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा की गई। सीटीएम रविंद्र मलिक ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

विद्यार्थियों का साक्षात्कार सात मार्च को

झज्जर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साल्हावास में सात मार्च को अप्रेंटिस ट्रेनिंग के लिए कोपा ट्रेड के विद्यार्थियों का आईटीआई मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। वर्ग अनुदेश राहुल ने बताया कि जो कोई कोपा ट्रेनी इस साक्षात्कार में भाग लेना चाहता है वह अपने मूल दस्तावेजों के साथ संस्थान परिसर पहुंच कर चयन प्रक्रिया में भाग ले सकता है।

तेलंगाना सरकार के डिप्टी सेक्रेटरी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

41वें वार्षिक समारोह में दिखी विविधता में एकता

रंग-बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे बच्चों ने अपनी मोहक प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सैनिक पब्लिक स्कूल का 41वां वार्षिक समारोह 'विविधता में एकता' धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के पूर्व छात्र आईएएस भावेश कुमार मिश्रा ने शिरकत की। भावेश तेलंगाना सरकार में डिप्टी सेक्रेटरी के रूप में सेवारत हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पढ़ने और सफल होने के लिए प्रेरित किया।

आईएएस भावेश कुमार मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे बच्चों ने अपनी मोहक प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य, गीत, संगीत, नाटक एवं सामाजिक परिवेश को छूते विषयों पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों की संस्कृति को नृत्य व नाटकों के माध्यम से मंच पर प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में भावेश कुमार मिश्रा के अभिभावकों को सर्वश्रेष्ठ पैरेंट्स के अवार्ड से सम्मानित किया गया। विद्यालय में 41 वर्ष पूर्व दाखिला लेने वाले राहुल राठी तथा रोहन राठी के पिता देवेन राठी को भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने भारतीय त्योहारों का महत्व दर्शाने और महापुरुषों को याद करने वाले विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहा। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया। सभी मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेडल देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

बहादुरगढ़। आईएएस भावेश मिश्रा व उनके अभिभावकों को सम्मानित करते प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

बहादुरगढ़। अशोक नगर में स्थित मदर इंडिया पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रायोगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। पाचन तंत्र, हृदय, ज्वाला-मुखी, प्रदूषण, ऊर्जा दक्षता, पेड़ बचाओ, धरती बचाओ, ऊर्जा-बचाओ इत्यादि विज्ञान विषय से संबंधित मॉडल बनाए गए। शिक्षकों के साथ ही अभिभावकों द्वारा प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता में मानवी और उसकी टीम ने प्रथम स्थान, रितिका और उसकी टीम ने द्वितीय स्थान, इशिता और उसकी टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एक्सीडेंट के बाद ग्राउंड पर लौटे अशोक ने जीते तीन मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एक्सीडेंट के बाद खेलों से दूर हुए मास्टर खिलाड़ी अशोक चार साल बाद ग्राउंड पर लौटे और दिल्ली स्टेट गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीत लिए। विजेता अशोक का परिवार व खेल प्रेमियों ने जोररदार अभिनंदन किया है।

दरअसल, दिल्ली के नेहरू स्टेडियम में 41वीं दिल्ली स्टेट वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। जसोरखेड़ी के निवासी करीब 60 वर्षीय अशोक कुमार ने इसमें भाग लिया। अशोक ने पांच हजार मीटर वॉक रेस, 400 मीटर और 200 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीते। बहादुरगढ़ पहुंचने पर इनका अभिनंदन किया गया। अशोक बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 2009 में मास्टर खेलों में भाग लेना शुरू किया था। तब से लेकर अब तक करीब 160 मेडल जीत चुके हैं। इनमें से अधिकांश गोल्ड हैं। वर्ष 2021 में उनका एक्सीडेंट हो गया था। पांव की हड्डी टूट गई थी। इस कारण काफी समय तक वह रेस्ट पर रहे। लेकिन वह खुद को खेलों से दूर नहीं रख पाए। जैसे ही शरीर फिट हुआ तो फिर से अभ्यास शुरू किया और अब दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में तीन मेडल जीत लिए। आगामी नेशनल प्रतियोगिता में मेडल जीतना ही उनका लक्ष्य है।

पदक विजेता अशोक कुमार

नियमों को ताक पर रखकर दुकान के बाहर बनाया चबूतरा

झज्जर। शहर के मेन बाजार में दुकान के बाहर बनाया हुआ अवैध चबूतरा।

झज्जर। नगर परिषद और पुलिस विभाग द्वारा भले ही शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चला रखा हो, लेकिन बाजार में कई स्थानों पर दुकानदारों द्वारा अवैध निर्माण किया हुआ है। स्थिति यह बनी हुई है कि शहर के मेन बाजार में थाना के सामने एक दुकानदार द्वारा अपनी सहूलयित के लिए नियमों को ताक पर रखते हुए स्थाई चबूतरा भी बनवा दिया है। जिसके कारण आगामी मानसून के मौसम में दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि दुकानदार खुले तौर पर तो कुछ कहने को तैयार नहीं है, लेकिन दुकानदारों का कहना है कि बाजार में अंडर ग्राउंड नालों के कारण पहले ही इस क्षेत्र में गंदा पानी दुकानों के बाहर भरा रहता है। इस चबूतरे के निर्माण के चलते बरसात का पानी आगे नहीं जा पाएगा, जिसके कारण दुकानदारों और राहगीरों को काफी परेशानी होगी।

वहीं कुछ दुकानदारों ने सीएम विंडो और समाधान शिविर में भी इसकी शिकायत करने की बात कही। नियमानुसार की जाएगी कार्रवाईः नगर परिषद के एमई नवीन देशवाल ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में अब आया है। भवन निरीक्षक को मौके पर भेजकर मुआयना करवाया जाएगा। नियमों की अवहेलना करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव मांडोठी में ग्राम प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्टेट अवार्डी चित्रकार महेश दलाल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में मनीष दलाल, पारूल चौधरी, साक्षी, ईश्वी, जिया श्योराण, ओजस सहवाग, तुषार श्योराण, इशिका राठी व प्रतीक दलाल को पुरस्कृत किया गया।

बता दें कि इस प्रतियोगिता का आयोजन हर वर्ष ग्राम प्रतिभा खोज समिति द्वारा करवाया जाता है। इसमें छठी कक्षा से ऊपर के बच्चों ने भाग लिया। पहला लेवल छठी से आठवीं, दूसरा लेवल नौंवी-दसवीं और तीसरे लेवल में 11वीं-12वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई स्पर्धा के हर लेवल में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को 5100, 3100 व 2100 रुपए का नकद ईनाम, मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रिंसिपल विजेंद्र मलिक व स्कूल स्टाफ ने परीक्षा को सफल बनाने के लिए विशेष योगदान दिया। सरपंच प्रतिनिधि निलेश दलाल व रामकिशन सोनू ने विजेताओं को पुरस्कृत किया व सभी प्रतिभागियों को अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। महेश दलाल ने बताया कि परीक्षा का प्रमुख उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की खोज करना है। इस परीक्षा के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्रों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उत्साहित किया जाता है। उन्हें समाज के लिए उपयोगी नागरिक के रूप में बढ़ावा दिया जाता है।

बहादुरगढ़। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते महेश दलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

वन्यजीवों की घटती संख्या से बढ़ी चिंता

बहादुरगढ़। प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है, ताकि बढ़ती मनुष्य की आबादी में वन्य जीवों को बचाया जा सके। वर्तमान में रासायनिक पदार्थों ने पर्यावरण संरक्षण को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। जिससे पर्यावरण संरक्षण की परिकल्पना पर प्रश्न चिह्न लगता दिखाई देने लगा है। रासायनिक पदार्थों के उपयोग से जंगली जीव जंतुओं के साथ-साथ घरेलू पशु-पक्षी भी काल के गाल में समाने लगे हैं। वन्य जीव प्रेमी राकेश खत्री के अनुसार अन्न उपजाने की बात हो या फिर रोजमर्रा के दैनिक जीवन में प्रयोग की जाने वाली साग-सब्जियां, फल आदि का उत्पादन रासायनिक पदार्थों के बलूबते ही निर्भर हो गया है। कीटनाशक दवाओं के बगैर इनका उत्पादन संभव नहीं है। इनके सेवन से मानव जीवन तो संकट में है ही, घरेलू जानवरों की बीमार होने पर दी जाने वाली दवाएं जंगली जीव-जंतुओं के लिए जान लेवा साबित हो रही है। गाय, भैंस, भेड़, बकरियों में प्रयोग की जाने वाली दवाइयां उनकी मृत्यु के पश्चात भी आम जीव-जंतुओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। सड़े गले मांस को खाने के लिए प्रसिद्ध गिद्धों व कौओं आदि पक्षी इसी वजह से विलुप्ति हो रहे हैं। कौआ, बगुला हो या फिर जंगली जानवर सियार आदि समाप्ति की कगार पर हैं। इन जानवरों व पक्षियों की संख्या में दिन प्रतिदिन गिरावट ही आती जा रही है। कीटनाशक दवाओं के चलते पक्षियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

निक्षय शिविर में 116 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान को लेकर जिले में चलाए जा रहे एक सौ दिवसीय निक्षय शिविर स्वास्थ्य जांच शिविर की श्रृंखला में सोमवार को क्षेत्र के गांव ढाणा में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 116 लोगों के स्वास्थ्य की जांच के साथ 26 लोगों के टीबी जांच के लिए बलगम के सैंपल लिए गए। इस दौरान टीबी मरीजों को दवाइयां एवं निक्षय पोषण किट भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में पहुंचे लोगों को जहां साल 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए जागरूक किया गया वहीं टीबी के लक्षणों की जानकारी भी दी गई।

डिजिटल तकनीक के लाभ-हानि समझाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव जसौर खेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में एनएसएस कैंप के तीसरे दिन स्वयंसेविकाओं ने योगभ्यास व प्रार्थना की। सायंकालीन सत्र में छात्राओं ने बढ़ती डिजिटल टेक्नोलॉजी के फायदे और नुकसान पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया और शाम को लोक गीत गायन का आयोजन किया।

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ कमल कुमार रंगा ने छात्राओं को डिजिटल लिट्रेसी पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म्स की जानकारी छात्राओं को दी। इनके प्रयोग से वे अपने जीवन को सरल बना सकते हैं।

साथ ही उन्हें इनके प्रयोग में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। एनएसएस प्रभारी डॉ सुनैना ने छात्रों को बताया कि हरित क्रांति के बाद डिजिटल क्रांति ने देश के सभी वर्गों को प्रभावित किया हैं। एनएसएस वॉलंटियर्स को ई-सेवा पोर्टल की सेवाओं का प्रयोग करने में आसपास के बुजुर्गों की मदद करनी है।

बहादुरगढ़। व्याख्यान के दौरान उपस्थित छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

काउंसलिंग द्वारा अभिभावकों को दी बच्चों की ब्रेन मैपिंग रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम् पब्लिक स्कूल खातिवास में ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया। काउंसलिंग में करीब सवा तीन सौ विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ भागीदारी की। इस सेशन के माध्यम से अभिभावकों को उनके बच्चों की जन्मजात योग्यताओं बारे जानकारी दी गई। काउंसलिंग में शामिल सभी अभिभावकों ने स्कूल द्वारा की गई इस पहल की खूब सराहना की। अभिभावकों ने इस सेशन के माध्यम से अपने बच्चों के बारे में बहुत सारी जानकारियां हासिल की। ब्रेन मैपिंग काउंसलर्स ने व्यक्तिगत रूप से सभी अभिभावकों से मुलाकात कर ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग के फायदे सांझा किए। संस्कारम् समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि हर मां-बाप की इच्छा होती है कि उनका बच्चा आईएएस, इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, स्पोर्टपर्सन या ऑफिसर बनें। लेकिन उसकी कैपेसिटी को बिना समझे पैरेंट्स उसे अपनी ख्वाहिशें पूरी कराने में लगा देते हैं। इसके चलते बच्चे कई बार गलत निर्णय भी ले लेते हैं। कभी-कभी वे डिप्रेशन में भी चले जाते हैं। लेकिन संस्कारम् स्कूल द्वारा की गई ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग की पहल के जरिए अभिभावकों को बताया गया कि बच्चे का स्वर्णिम भविष्य किस फील्ड में संभव है।

बच्चों की मनोवैज्ञानिक स्थिति, लर्निंग स्टाइल, करियर सिलेक्शन आदि से संबंधित जानकारियां भी उनके अभिभावकों को दी गई। बता दें कि संस्कारम् स्कूल में पिछले एक महीने से सभी विद्यार्थियों को ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अंदर बगैर देखे चीजों को पहचानने और पढ़ने की क्षमता का विकास किया जा रहा है। इस ट्रेनिंग के जरिए स्टूडेंट्स अपने अंदर छुपे हुए वास्तविक टैलेंट को पहचान पा रहे है।

झज्जर। ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग काउंसलिंग में विद्यार्थियों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए विषय विशेषज्ञ।

स्टेट मास्टर चैंपियनशिप में मलिक ने जीते तीन गोल्ड

बहादुरगढ़। दिल्ली में हुई स्टेट मास्टर खेल प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ के परमानंद मलिक छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए मलिक ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीन गोल्ड मेडल जीते। विजेता परमानंद का खेल प्रेमियों ने जोरदार अभिनंदन किया। दिल्ली स्थित नेहरू स्टेडियम में रविवार को यह प्रतियोगिता हुई थी। बड़ी तादाद में मास्टर खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया। बहादुरगढ़ के निवासी करीब 80 वर्षीय परमानंद मलिक ने भी प्रतियोगिता में जोर आजमाइश की। उन्होंने जैवलिल थ्रो, गोला फेंक और डिस्कस थ्रो में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते। इन तीन पदकों के साथ ही उनके कुल पदकों की संख्या 309 हो गई। बता दें कि बहादुरगढ़ में बराही रोड के निवासी परमानंद मलिक दिल्ली पुलिस से रिटायर्ड हैं। बचपन से ही इनकी खेलों में रुचि थी। तब से अब तक खेलों में भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीत चुके हैं। काफी युवा भी इनसे प्रशिक्षण लेकर आगे बढ़ चुके हैं। मलिक का कहना है कि जब तक उनके शरीर में जान है, वह खेलते रहेंगे। खेलने से उनको उर्जा मिलती है। उनका अगला लक्ष्य नेशनल गेम्स में मेडल जीतना है।